3. CONTENT MARKETING

कंटेंट मार्केटिंग

कंटेंट मार्केटिंग एक ऐसी मार्केटिंग पद्धति है जहाँ गुणवत्तापूर्ण कंटेंट तैयार किए जाते हैं तथा उसे डिस्ट्रीब्यूट किए जाते हैं। ऐसे कंटेंट से ज्यादा से ज्यादा उपभोक्ता आकर्षित होते हैं।

कंटेंट मार्केटिंग में उन्हीं बातों को प्रसारित किया जाता है जिससे कि उत्पाद की झलक प्रस्तूत हो सके, उत्पाद से समानता रखता हो, उपाभोक्ताओं को वस्तु स्थिति की सही जानकारी प्राप्त हो सके जिससे उपभोक्ताओं को सुगमता पूर्वक ढंग से आकर्षित किया जा सके, उपभोक्ता भी आपको पसंद कर सके और आपके उपर विश्वास कर आपके साथ आगे व्यवसाय करने को तत्पर हो सके।

कंटेंट मार्केटिंग के प्रकार

सामान्यतया कंटेंट मार्केटिंग कई प्रकार से संचालित किए जाते हैं, जिनमें कुछ प्रमुख निम्नलिखित हैं :–

1.Infographics :- कंटेंट मार्केटिंग में यह काफी महत्वपूर्ण जरिया माना जाता है। यह उन कंटेंट के लिए अधिक उपयोगी होता है जिसमें ज्यादा से ज्यादा सामग्री प्रस्तुत करना आवश्यक होता है। ये मुख्यतः **vettical graphics** होते हैं जिसमें **Statistics, Charts, Graphs** और दूसरे

जानकारी को लिखा जाता है। इसमें **Images** के साथ उनमें संबंधित जानकारी भी प्रदान की जाती है। यदि इन्हें सही तरीके से बनाकर प्रस्तुत किया जाए तो कंटेंट मार्केटिंग काफी लाभदायक व्यवसाय साबित हो सकता है।

2.Webpages :- कंटेंट मार्केटिंग और वेबपेज में काफी अंतर पाया जाता है। जब वेबपेज को अच्छे तरीके से तैयार कर प्रस्तूत किया जाता है तो इसके माध्यम से बहुत सारे लोगों को अपनी ओर आकर्षित किया जा सकता है। क्योंकि यह आसानी से किसी भी ब्राण्ड के लिए उपयोगी हो सकता है।

3.Podcast :- कंटेंट मार्केटिंग में पोडकास्ट का विशेष महत्व है। यह कंटेंट को लोगों के समक्ष सुगमता के साथ प्रस्तूत कर सकता है। इसके माध्यम से ज्यादा से ज्यादा लोग आपके विषय में जान पाते हैं। इससे आपके ब्राण्ड की पब्लिसिटि भी हो जाती है।

4.Videos :- कंटेंट मार्केटिंग में यह धारणा बन गई है कि टेक्सट के बदले यदि भीडियो प्रस्तूत की जाए तो यह लोगों को और भी ज्यादा आकर्षित कर सकती है। भीडियो कंटेंट में एक अनपढ़ उपभोक्ता भी भीडियो के माध्यम से ज्यादा आकर्षित हो जाता है। फलस्वरूप ब्राण्ड की भैल्यू ज्यादा हो जाती है।

5.Books or Text :- कंटेंट मार्केटिंग के लिए बुक अथवा टेक्सट महत्वपूर्ण माध्यम आज के दौड़ में माना जाता है, क्योंकि इसकी पहुंच वहां भी हो सकती है जहां बिजली या इंटरनेट उपलब्ध न हो साथ ही यह माध्यम गरीब गुड़बा, बुढ़ा जवान सभी के लिए सुलभ हो सकता है। इसके द्वारा कंटेंट मार्केटिंग का ब्राण्डिंग भैल्यू काफी बढ़ जाता है साथ ही लोगों का विश्वास एवं भरोसा ज्यादा से ज्यादा हो जाता है।

****